दूर शिक्षा निदेशालय

सत्र 2014-15

एम. एच. डी.

एम. ए. हिंदी

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

एम.एच.डी.-1	:	हिंदी काव्य-1
एम.एच.डी.-5	:	साहित्य सिद्धांत और समालोचना
एम.एच.डी.-7	:	भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
एम.एच.डी.-13	:	उपन्यास : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी.-14	:	हिंदी उपन्यास - 1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)
एम.एच.डी.-15	:	हिंदी उपन्यास-2
एम.एच.डी.-16	:	भारतीय उपन्यास

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442001 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईटः www.hindivishwa.org

सत्रीय कार्य 2014-15

(Assignment 2012-13)

पाठ्यक्रम कोड : एम. एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्यो की पुस्तिका है। इसमें निम्नलिखित सातों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं।

एम.एच.डी.-1	:	हिंदी काव्य-1
एम.एच.डी.-5	:	साहित्य सिद्धांत और समालोचना
एम.एच.डी.-7	:	भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
एम.एच.डी.-13	:	उपन्यास : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी.-14	:	हिंदी उपन्यास - 1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)
एम.एच.डी.-15	:	हिंदी उपन्यास-2
एम.एच.डी.-16	:	भारतीय उपन्यास

एम.एच.डी.-5 पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का है। शेष सभी पाठ्यक्रम 4-4 क्रेडिट के हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए 'विवेचना' नाम से आलोचनात्मक आलेखों के संग्रह भेजे गए हैं। एम.एच.डी.-1 में 'विविधा' नामक पुस्तक भी भेजी गई है।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा के सवाल केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार-व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बायीं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : ----------

नाम : ----------

पता : ----------

दिनांक : ----------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------

सत्रीय कार्य कोड : ----------

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो) : ----------

---

3. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5. अपनी लिखावट में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।

2. व्याख्या से संबंधित अंशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।

3. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओ के साथ

अमरेन्द्र कुमार शर्मा
(पाठ्यक्रम संयोजक)

सत्रीय कार्य भेजने का पता :

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि 15 **मई, 2015**

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

हिंदी काव्य - 1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 1
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-1/2014-15

कुल अंक - 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1 .निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यांशों की (प्रत्येक की 400 शब्दों में) संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत करें। 10

(क) कहत,नटत,रीझत,खिझत,मिलत,खिलत,लजियात।

भरे भौन में करत हैं नैननु हीं सब बात।।

(ख) कागज पर लिखत न बनत,कहत संदेसु लजात

कहि है सबु तैरो हिया मेरे हिय की बात

(ग) म्हारो री गिरधर गोपाल, दूसराँ णाँ कूयां

दूसरा णां कूयां साधां सकल लोक जूयां।

माया छंड़ियां अन्ध छंड़ियां छांड़यां सगों सूयां

साधा ढिंग बैठ बैठ,लोक लाज खूयां।।

2. जायसी के 'पद्मावत' को सूफी मत की कसौटी पर विवेचित कीजिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. बिहारी के काव्य-कौशल का परीक्षण कीजिए। 03

4. भक्ति आंदोलन में सूरदास की भक्ति के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) एक कवि के रूप में तुलसीदास 02

(ख) विद्यापति की कविता में भक्ति 02

साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 05
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-5/2014-15

कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. प्लेटो के काव्य चिंतन का विश्लेषण करें। 10

2. साहित्य चिंतन में उत्तर- आधुनिकता के महत्व को समझाएं. 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. प्लेटो के काव्य-संबंधी विचार की आलोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत करें। 03

4- आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बाद की हिंदी आलोचना की दिशा को स्पष्ट करें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) साधारणीकरण 02

(ख) अस्तित्ववाद 02

भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 7
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-7/2014-15

कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. समाज भाषाविज्ञान की अवधारणा को समझाएँ. 10

2. वाक्य की संरचना में अर्थ संरचनाके महत्त्व को स्पष्ट करें. 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. शैलीविज्ञान को स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश ड़ालें। 03

4. हिंदी भाषा की संरचना में रूप,शब्द और पद की धारणा पर प्रकाश डालें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) कोश विज्ञान 02

(ख) चॉमस्की 02

उपन्यास : स्वरूप और विकास

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 13
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-13/2014-15
कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. उपन्यास के उदय के कारणों को समझाते हुए उपन्यास की परंपरा और उसके विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 10

2. उपन्यास की आलोचना दृष्टि पर प्रकाश डालें . 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. आजादी के पश्चात् हिंदी उपन्यास के विकास क्रम को रेखांकित करें।

03

4. उन्नीसवीं सदी के उपन्यास में यथार्थ और कल्पना की उपस्थिति को समझाएँ। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) आख्यान-परंपरा 02

(ख) विश्व युद्ध और उपन्यास 02

हिन्दी उपन्यास - 1

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 14
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-14/2014-15

कुल अंक 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. प्रेमचंद के उपन्यास और हिंदी आलोचना के संबंध को स्पष्ट करें. 10

2 - 'सेवासदन' की नायिका के चरित्र को वर्तमान संदर्भ में स्त्री विमर्श के नजरिये से मूल्यांकन करें 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. 'प्रेमाश्रम' में चित्रित कृषि-समस्या को वर्तमान संदर्भों के आधार पर विवेचित कीजिए। 03

4. 'रंगभूमि' के आधार पर प्रेमचंद की रचना-दृष्टि का मूल्यांकन करें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) सूरदास का चरित्र 02

(ख) उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज 02

हिन्दी उपन्यास - 2

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 15
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-15/2014-15

कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों की (प्रत्येक की 400 शब्दों में) संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत करें। 10

(क) यदि तुम केवल अपनी शक्ति के विकास की ही चेष्टा करते रहे और दूसरी परस्पर-विरोधी शक्तियों की सृष्टि,स्थिति और संहार के नियन्त्रक नहीं बने तो कुछ दिनों बाद कुछ शक्तियाँ किसी अज्ञात अप्रत्याशित कोण से उभरकर तुम पर हमला करेंगी और तुम्हारी शक्ति छिन्न-भिन्न कर देंगी।

(ख) जो लोग भावुक होते हैं और सिर्फ रोते हैं , वे रो-धोकर रह जाते हैं,पर जो लोग हँसना सीख लेते हिं वे कभी-कभी हँसते-हँसते उस जिंदगी को बदल भी डालते हैं .

(ग) विवाह के रूप में आकर्षण शक्ति के चरितार्थ हो जाने पर और विवाह की परिणति सन्तान के रूप में हो जाने पर अपने शरीर के सम्बन्ध में स्त्रियों की लाज घटने लगती है। जर्जर बुढ़ापे की संध्या आ जाने पर,आकर्षण का अवसर नहीं रहता तो स्त्रियों में शरीर के प्रति शैशव का सा निस्संकोच फिर लौट आता है।

2. औपन्यासिक महाकाव्य के रूप में 'झूठा-सच' का विश्लेषण करें . 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. कृष्णा सोबती की रचना 'जिदंगीनामा' के परिवेश और उसकी भाषा को समझाएँ .

03

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा ' के आधार पर धर्मवीर भारती की लेखकीय दृष्टि की विवेचना करें . 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) उपन्यास में शिल्प का महत्त्व 02

(ख) राग-दरबारी की भाषा 02

भारतीय उपन्यास

पाठ्यक्रम कोड - एम.एच.डी. 16
सत्रीय कार्य कोड - एमएचडी-16/2014-15

कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. 'चेम्मीन' के आधार पर केरल के मछुआरे के जीवन में मिथ के महत्त्व का विश्लेषण करें। 10

2. 'संस्कार' की सामाजिक चेतना क्या है, विश्लेषण करें। 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. 'जंगल के दावेदार' के कथानक एवं उसके चरित्र का परिचय दीजिये. 03

4. पन्नालाल पटेल की रचनाशीलता का मूल्यांकन करें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) चंद्री 02

(ख) महाश्वेता देवी 02